शरयिा का परचिय (2 का भाग 1)

रेटगि:

ववरिण: ?? ??? ??? ????? ?? ??????? ?? ??? ????? ????? ??? ?? ??????? ?????? ?? ???????? ?? ?????? ????? ?? ????? ?? ??? ?????? ???

श्रेणी: पाठ › इस्लाम के गुण › इस्लाम की उत्कृष्ट वशिषताएं

द्वारा: Imam Mufti (© 2013 NewMuslims.com)

प्रकाशति हुआ: 08 Nov 2022

अंतमि बार संशोधति: 07 Nov 2022

उद्देश्य:

- शरयिा की परभिाषा जानना।
- शरयिा के दायरे को समझना।
- शरयिा की छह अनूठी वशिषताओं को जानना।
- शरयिा के स्रोतों के बारे में जानना।

अरबी शब्द:

- *???????* - इस्लामी न्यायशास्त्र।
- *????????* - न्यायकि वरीयता।
- जहिाद - एक संघर्ष, कसिी नश्चिति मामले में प्रयास करना, और एक वैध युद्ध को संदर्भति कर सकता है।
- मसलाह मुर्सलाह - सार्वजनकि हति।
- *?????* - एक ऐसा शब्द जसिका अर्थ है अल्लाह के साथ भागीदारों को जोड़ना, या अल्लाह के अलावा कसिी अन्य को दैवीय बताना, या यह वश्विास करना कि अल्लाह के सविा कसिी अन्य में शक्ति है या वो नुकसान या फायदा पहुंचा सकता है।
- *??????* - सादृश्य।

·????? - इस्लामी कानून।

·?????? - अध्ययन के क्षेत्र के आधार पर सुन्नत शब्द के कई अर्थ हैं, हालांकि आम तौर पर इसका अर्थ है जो कुछ भी पैगंबर ने कहा, किया या करने को कहा।

·???? - रिवाज।

·????? - अनिवार्य दान।

शरिया क्या है

"शरिया" 'जिहाद' के बाद दूसरा गलत समझा जाने वाला शब्द है और आमतौर पर इसका अनुवाद 'इस्लामी कानून' के रूप में किया जाता है। अधूरा अनुवाद बहुत भ्रम पैदा करता है। इसलिए सबसे पहले हमें इस शब्द का अर्थ समझना चाहिए।

संक्षेप में, "शरिया" से तात्पर्य है कि अल्लाह ने अपने दासों के लिए क्या कानून बनाया है,[1] चाहे वह विश्वास हो, अभ्यास हो, पूजा हो या नैतिकता हो। यह अल्लाह के आदेशों की समग्रता है।[2] एक अन्य लेखक ने 'शरिया' को 'आदेश, निषेध, मार्गदर्शन और सिद्धांत' के रूप में परिभाषित किया है जिसे ईश्वर ने मानव जाति को इस दुनिया में उनके आचरण और अगले जीवन में मोक्ष से संबोधित किया है।'[3]

शरिया में निम्नलिखित शामिल हैं[4]:

1.पंथ: अल्लाह की एकता; शिर्क की अस्वीकृति; स्वर्गदूत, ईश्वरीय शास्त्र, पैगंबर और अंतिम दिन में विश्वास।

2.नैतिकता: सच्चा होना, भरोसेमंद होना, वादों को निभाना और अनैतिकता जैसे झूठ बोलना, वादे तोड़ना आदि को अस्वीकार करना।

3.धार्मिक प्रथाएं: पूजा से संबंधित मामले और साथी मनुष्यों के साथ व्यवहार करना जिसमें विशिष्ट अपराध और उनकी सजा शामिल है।

संक्षेप में, शरिया दैनिक प्रार्थना, विवाह, तलाक, पारिवारिक दायित्वों और वित्तीय लेन-देन सहित मुस्लिम जीवन के सभी पहलुओं का मार्गदर्शन करती है।

शरयिा की अनूठी वशिेषताएं

1.**शरयिा अल्लाह की ओर से है**। यह पैगंबर मुहम्मद के लिए अल्लाह का रहस्योद्घाटन है, या तो सीधे क़ुरआन के रूप में या परोक्ष रूप से सुन्नत के रूप में। इसका अर्थ है:

ए.शरयिा के सद्धिांत अन्याय से मुक्त हैं और मानवीय ववि ेक के अधीन नहीं हैं। इसका एक उदाहरण है मनुष्य के रंग, लगि या भाषा की परवाह कएि बनिा उनकी समानता है। वे अपने अच्छे कार्यों के आधार पर ही एक दूसरे से 'अलग' होते हैं!

बी.सभी वशि्वासयिों को शरयिा का पालन करना चाहएि, चाहे वे शासक हों या शासति, क्योंकि यह अल्लाह की ओर से है। एक उदाहरण ड्रग्स और शराब का नषिेध है; यह बनिा कसिी अपवाद के सभी के लिए वर्जति है।

सी.शरयिा ने अच्छे काम करने वाले को इस जीवन में और अगले जीवन में महान पुरस्कार देने का वादा कयिा है, और पापी को इस जीवन और अगले जीवन में गंभीर दंड की चेतावनी देता है। आने वाले जीवन का प्रतफिल वुज़ू, प्रार्थना और ज़कात जैसे मामलों में अपने दैनकि जीवन में शरयिा को लागू करने और इसका पालन करने से जुड़ा है।

2.**शरयिा कालातीत और सार्वभौमकि रूप से लागू है।** हम मानते हैं कि शरयिा सभी समय और स्थानों के लिए उपयुक्त है और लागू होता है।

3.**शरयिा व्यापक है।** इसमें वशि्वास, इस्लामी नैतकिता और भाषण और कार्रवाई के मामले को नयिंत्रति करने वाले नयिम शामलि हैं। भाषण और कार्रवाई को नयिंत्रति करने वाले नयिमों को "फ़क्रि्ह" या इस्लामी न्यायशास्त्र कहा जाता है और इसे आगे नम्निलखिति श्रेणयिों में वभिाजति कयिा जा सकता है:

ए.पूजा के कार्य जैसे प्रार्थना और उपवास। यह व्यक्ति और ईश्वर के संबंध को नयिंत्रति करता है।

बी.मानवीय संबंध जनिमें व्यक्तगित, नागरकि कानून, वत्तिीय कानून, युद्ध और शांति का कानून और आपराधकि कानून शामलि है।

4.**शरयिा दयाशील है।** यह आसानी लाता है और कठनिाई को दूर करता है जो इसकी व्यापकता और पूर्णता का एक स्वाभावकि परणिाम है। अल्लाह कहता है,

“...अल्लाह तुम्हारे लिए सुविधा चाहता है, तंगी (असुविधा) नहीं चाहता...”(क़ुरआन 2:185)

इसलिए शरिया एक अनिवार्य कर्तव्य को आसान बनाता है जब इसे करने मे अत्यधिक कठिनाई होती है और यह अस्थायी रूप से निषिद्ध कार्य करने की अनुमति देता है जब इसकी सख्त जरूरत होती है[5].

“...फिर भी जो विवश हो जाये, जबकि वह नियम न तोड़ रहा हो और आवश्यकता की सीमा का उल्लंघन न कर रहा हो, तो उसपर कोई दोष नहीं। अल्लाह अति क्षमाशील, दयावान् है।” (क़ुरआन 2:173)

एक उदाहरण जो अनिवार्य कर्तव्य की कठिनाई को कम करता है, यदि कोई बीमार पड़ जाए या यात्रा कर रहा हो, तो वह अपना उपवास तोड़ सकता है।

5. **शरिया न्याय पर आधारित है।** इसका मतलब यह है कि केवल एक न्यायाधीश कानून को सभी पर निष्पक्ष रूप से लागू करता है, बल्कि कानून स्वयं भी न्यायपूर्ण होता है। यह इसके दिव्य स्रोत का एक स्वाभाविक परिणाम है। सच्चे न्याय को अधिकारों और दायित्वों को पूरा करने और जीवन के सभी क्षेत्रों में अधिकता और असमानता को समाप्त करके एक संतुलन स्थापित करना चाहिए। क़ुरआन में न्याय के स्तर का उल्लेख लगभग पचास अंशों में किया गया है। लोगों से हर स्तर पर दूसरों के साथ न्याय करने का आग्रह किया जाता है, चाहे वह व्यक्तिगत हो या सार्वजनिक, शब्दों से हो या आचरण से, दोस्तों से व्यवहार हो या दुश्मनों से, मुस्लिम या गैर-मुस्लिम, सभी के साथ न्याय के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए। क़ुरआन में अल्लाह कहता है,

“हमने भेजा है अपने दूतों को खुले प्रमाणों के साथ तथा उतारी है उनके साथ पुस्तक तथा न्याय का नियम, ताकि लोग स्थिति रहें न्याय पर...” (क़ुरआन 57:25)

6. **शरिया संतुलन को बढ़ावा देता है।** क़ुरआन मे अल्लाह कहता है,

“और इसी प्रकार हमने तुम्हें मध्यवर्ती उम्मत (समुदाय) बना दिया (अधिकता और कमियों से मुक्त)...” (क़ुरआन 2:143)

शरिया के नियम चरम सीमाओं के बीच का मध्य मार्ग हैं। एक उदाहरण इस्लामी वित्त है जो समाजवाद और मुक्त पूंजीवादी अर्थव्यवस्था के बीच है।

शरिया के स्रोत

शरयिा का प्राथमकि स्रोत अल्लाह का रहस्योद्घाटन है।[6]

“हमने आपकी (मुहम्मद) ओर वैसे ही वह्यी भेजी है, जैसे नूह और उसके पश्चात के पैगंबरो के पास भेजी थी...” (क़ुरआन 4:163)

पैगंबर मुहम्मद के लिए अल्लाह का रहस्योद्घाटन दो प्रकार का था:

ए.अल्लाह के शब्द, क़ुरआन। इसका अर्थ और शब्द दोनों ही अल्लाह की ओर से हैं।

बी.सुन्नत, जसिका अर्थ है अल्लाह की ओर से, लेकनि शब्द पैगंबर मुहम्मद के थे। कुछ सुन्नत पैगंबर द्वारा कए गए नर्णिय हैं जनिकी अल्लाह ने पुष्टि की है, और कुछ सुन्नत पैगंबर की क़ुरआन की समझ के अनुसार है। सुन्नत का अर्थ है पैगंबर मुहम्मद की शक्षिाएं जो उनके शब्दों और कार्यों में नहिति हैं, जो हम तक पहुंचाई गई है।

शरयिा के कुछ माध्यमकि स्रोत क़यिास (सादृश्य), इस्तहिसन (न्यायकि वरीयता), मसलाह मुर्सला (सार्वजनकि हति) और उर्फ़ (रवािज) हैं।

फुटनोट:

[1] अब्द अल-करीम ज़ैदान द्वारा लखिति अल-मदखल ली-दरिासा अल-शरयिा अल-इस्लामयिा, पृष्ठ 38

[2] दी स्कूल्स ऑफ़ इस्लामकि जुरसिपुरुडेन्स: मोहम्मद हमीदुल्लाह खान द्वारा एक तुलनात्मक अध्ययन, पृष्ठ 5

[3] शरयिा कानून: मोहम्मद हाशमि कमाली द्वारा एक परचिय, पृष्ठ 14

[4] डॉ. उमर अल-अश्कर द्वारा लखिति अल-मदखल इला अल-शरयिा व फ़क़िह अल-इस्लामी, पृष्ठ 18। नसर फरीद वासलि द्वारा लखिति अल-मदखल ली दरिासा शरयिा अल-इस्लामयिा भी देखें, पृष्ठ 15-16

[5] एक सख्त जरूरत ऐसी जरूरत है जो "जीवन और मृत्यु" की स्थति तिक पहुंचती है; जैसे कभूख से मरने का डर और खाने के लिए सर्फि वर्जति उपलब्ध होना।

[6] डॉ. उमर अल-अश्कर द्वारा लखिति अल-मदखल इला अल-शरयिा व फ़क़िह अल-इस्लामी, पृष्ठ 107-108

इस लेख का वेब पता

https://www.newmuslims.com/hi/articles/203

कॉपीराइट © 2011 - 2024 NewMuslims.com. सर्वाधिकार सुरक्षित।